



# 杜谈作品选



# 杜谈作品选

湖南文艺出版社 一九八七年·长沙

**杜谈作品选**

杜谈 著

责任编辑：李一安

\*

湖南文艺出版社出版

(长沙市银盆南路67号)

湖南省新华书店经销 湖南省新华印刷二厂印刷

\*

1987年11月第1版第1次印刷

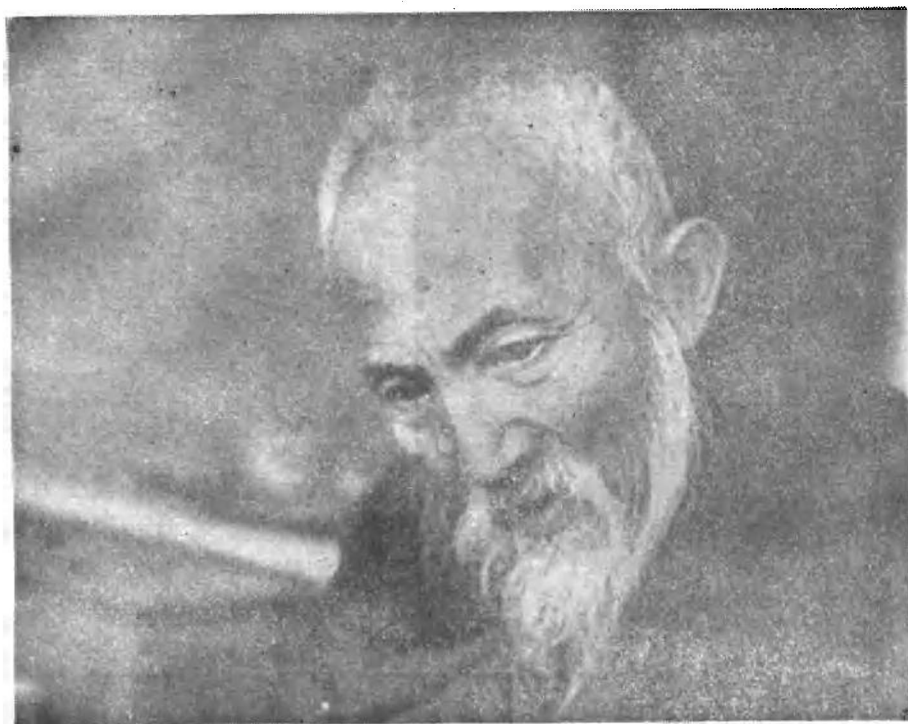
开本：850×1168 1/32 印张：12.25 插页：4 字数：148,000

印数：1—800

ISBN 7—5404—0180—X/I·127

统一书号：10456·313 定价：(简精)2.95元

---



一九八四年的杜谈



一九四九年的杜谈(右)

一九五九年杜谈全家合影。左坐者为杜谈夫人张庆亚，中坐者为张庆亚的母亲。



## 悼一位長征英雄

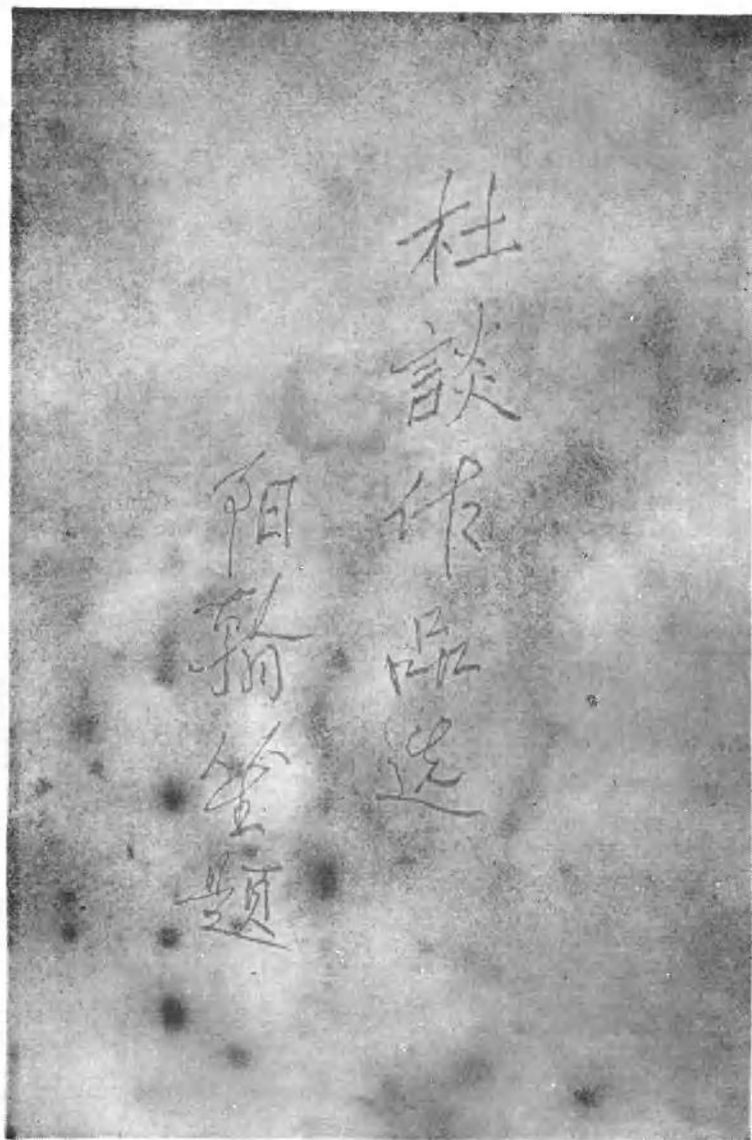
——這長征的人兒死，  
病魔伸出可怕的黑手，  
捏緊了你的咽喉——  
就像吃人的法西斯匪徒！

萬重雲山被你越過，  
那峭壁也阻止不住你，  
在華北，祖國最肥沃的原野上，  
你作了一千多人的領導。

聽說你曾消滅過敵人不少，  
全當地去揮，游擊戰術的巧妙，  
聽說你是洪爐中鍊出的鋼鐵，  
這竟全被肺病菌吃掉。

呵，你的功績決不徒勞，  
最後的勝利不久就要來到，  
到那時凱歌響激雲霄，  
如你是，你也會在九原含笑。

九年四月十七日于招部。



一九八七年五月十二日八十五岁高龄的阳翰笙同志抱病为本书题名。

## 目 录

|           |        |
|-----------|--------|
| 致窦隐夫      | 鲁 迅 1  |
| 记诗人杜谈(代序) | 艾 芜 3  |
| 题记        | 沙 汀 11 |

## 诗

|     |    |
|-----|----|
| 黄昏  | 19 |
| 春去也 | 21 |

|         |    |
|---------|----|
| 蝶       | 22 |
| 海上      | 24 |
| 自慰      | 25 |
| 无题      | 26 |
| 春江夜月    | 27 |
| 今天      | 28 |
| 青春丧失的人  | 29 |
| 做人难     | 30 |
| 命运歌     | 31 |
| 沙滩上     | 32 |
| 想起了屈原   | 33 |
| 夜       | 34 |
| 黄乳赞     | 35 |
| 老作家的殊荣  | 36 |
| 客气      | 37 |
| 五月      | 38 |
| 甘地胜利了   | 40 |
| 北国微音    | 42 |
| 狗吠声     | 44 |
| 危机      | 46 |
| 忆小陶(之二) | 47 |
| 大言不惭    | 49 |
| 今年的“五一” | 51 |
| 忆小陶(之三) | 52 |
| 苏维埃运动   | 56 |

|         |     |
|---------|-----|
| 起来啊，朝鲜！ | 59  |
| 再教育     | 61  |
| “铁的纪律”  | 63  |
| 拂不去的    | 65  |
| 天上人间    | 66  |
| 蔷薇      | 67  |
| 梦中的情人   | 68  |
| 只要你     | 69  |
| 无题      | 70  |
| 病中呓语    | 71  |
| 饥饿      | 74  |
| 谁是爸爸    | 76  |
| 我曾经想过   | 77  |
| 我们的友人   | 78  |
| 致“编辑家”  | 80  |
| 这条路     | 81  |
| 诗       | 83  |
| 诗人      | 84  |
| 舍女者     | 101 |
| 故乡      | 103 |
| 汽车路     | 104 |
| 繁荣经济    | 107 |
| 自治      | 109 |
| 副甲长     | 110 |
| 催款(一)   | 111 |

|          |     |
|----------|-----|
| 催款(二)    | 112 |
| 人贩子      | 113 |
| 狱        | 114 |
| 暗杀       | 116 |
| 赈济款      | 117 |
| 战壕       | 119 |
| 年关       | 121 |
| 故乡       | 122 |
| 逃荒的一家人   | 123 |
| 乞妇       | 124 |
| 卖淫妇      | 125 |
| 思母谣      | 126 |
| 义务广告     | 128 |
| 樊二哥从故乡来  | 130 |
| 印花       | 132 |
| 一面坡      | 134 |
| 留下了碉堡    | 140 |
| 向世界去     | 141 |
| 囚人的梦(一)  | 143 |
| 囚人的梦(二)  | 144 |
| 写给白戈     | 145 |
| 让我再看几眼吧  | 147 |
| 七人行      | 148 |
| 送白薇赴绥远劳军 | 150 |
| 二万五千里    | 152 |

|                |     |
|----------------|-----|
| 想起             | 154 |
| 中国啊，再不抵抗将如何    | 155 |
| 风云             | 157 |
| 守望者之歌          | 159 |
| 游击队            | 160 |
| 秋收             | 161 |
| 春的消息           | 163 |
| 致磨擦家           | 165 |
| 悼一位长征英雄        | 166 |
| 秋风起            | 167 |
| 写给孩子           | 168 |
| 希望             | 170 |
| 再致磨擦家          | 171 |
| 汪精卫            | 173 |
| 送别             | 174 |
| 如此“囚笼政策”       | 176 |
| 慰劳信            | 177 |
| 无题             | 180 |
| 李林             | 183 |
| 普通的战斗          | 196 |
| 寄劳动营           | 201 |
| 忆朱镜我           | 203 |
| “你们来了，你们就好呀……” | 207 |
| 预言             | 209 |
| 题修养者之家         | 212 |

|         |     |
|---------|-----|
| 摘木耳     | 214 |
| 南泥湾的风光  | 215 |
| 马群      | 217 |
| 修路者     | 219 |
| 院里      | 221 |
| 祭       | 223 |
| “收复失地”  | 224 |
| 道路      | 226 |
| 早       | 228 |
| 街头诗     | 230 |
| 永定河     | 231 |
| 愚公移山    | 247 |
| 你吓谁，流氓！ | 250 |
| 纪念陶行知先生 | 252 |
| 部队向前进   | 254 |
| 东北人民子弟兵 | 255 |
| 长春      | 256 |
| 太阳照着胜利花 | 257 |
| 红旗随风飘   | 258 |
| 士兵之歌    | 259 |
| 我们的国家   | 261 |
| 青年      | 262 |
| 故居      | 263 |
| 入队      | 264 |
| 赠田间     | 266 |

## 电 影 剧 本

翠岗红旗

267

## 附 录

- 杜谈传略 张庆亚 申春313
- 留给隐夫的一封信 张秀中316
- 赠杜谈(调寄如梦令) 田汉318
- 铁窗战友 英容历历
- 阳翰老深情忆杜谈 潘光武 张大明319
- 杜谈和中国诗歌会 柳 倩 325
- 杜谈和《翠岗红旗》 谢逢松 331
- 宁愿看他活的微笑
- 记杜谈(窦隐夫)和他的诗 康志强337
- 访诗人杜谈 露 菲 343
- 庄严的人生的结束
- 悼念杜谈同志 袁文殊350
- 杜谈在干校的时候 伍七352
- 一个不该遗忘的人
- 怀念杜谈同志 颜一烟357

一个不应该被遗忘的革命歌者

——关于杜谈和他的诗

贾玉民366

**编 后**(《编后》絮语)

潘光武 叶苾 夏述芬379

## 致 窈 隐 夫

鲁 迅

隐夫先生：

来信并《新诗歌》第三期已收到，谢谢；第二期也早收到了。

要我论诗，真如要我讲天文一样，苦于不知怎么说才好，实在因为素无研究，空空如也。我只有一个私见，以为剧本虽有放在书桌上的和演在舞台上的两种，但究以后一种为好；诗歌虽有眼看的和嘴唱的两种，也究以后一种为好；可惜中国的新诗大概是前一种。没有节调，没有韵，它唱不来；唱不来，就记不住，记不住，就不能在人们的脑子里将旧诗挤出，占了它的地位。许多人也唱《毛毛雨》，但这是因为黎锦晖唱了的缘故，大家在唱黎锦晖之所唱，并非唱新诗本身，新诗直到现在，还是在交倒楣运。

我以为内容且不说，新诗先要有节调，押大致相近的韵，给大家容易记，又顺口，唱得出来。但白话要押韵而又自然，是颇不容易的，我自己实在不会做，只好发议论。

我不能说穷，但说有钱也不对，别处省一点，捐几块钱在现在还不算难事。不过这几天不行，且等一等罢。

骂我之说，倒没有听人说，那一篇文章是先前看过的，也并不觉得在骂我。上海之文坛消息家，好造谣言，倘使一一注意，正中其计，我是向来不睬的。

专此布复，即颂  
时绥

迅上十一月一夜

就是我们的同人中，有些人头脑也太简单，友敌不分，微风社骂我为“文妖”，他就恭恭敬敬的记住：“鲁迅是文妖”。于是此后看见“文妖”二字，便以为就是骂我，互相报告了。这情形颇可叹。但我是不至于连这一点辨别力都没有的，请万勿介意为要。

又及。

（转引自人民文学出版社一九八一年版《鲁迅全集》第十二卷）